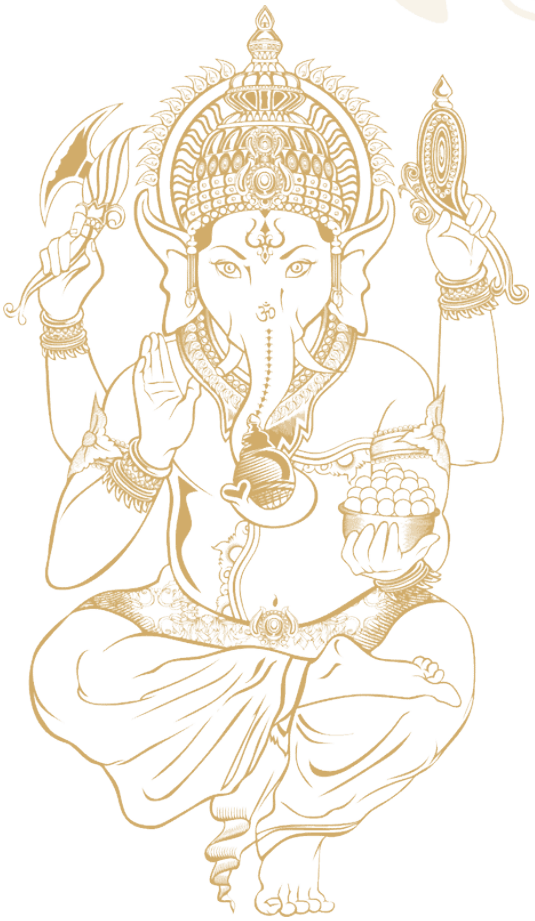

Mr Mohit

Ms.Varsha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121811502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/04/2001	जन्म तिथि	22/05/2002
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:42:00	जन्म समय	06:25:00 घंटे
घटी 26:25:03	जन्म समय(घटी)	02:21:37 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Ballabgarh
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:20:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	77:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:58	सूर्योदय	05:27:23
18:41:50	सूर्यास्त	19:07:42
23:52:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:08

विंशोत्तरी शुक्र 16वर्ष 8मा 11दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 7मा 0दि
चन्द्र	26:17:11	सिंह	लग्न	वृष	20:54:54	राहु
	21:51:36	मीन	सूर्य	वृष	06:53:36	
16/12/2023	15:32:06	सिंह	चंद्र	कन्या	06:28:51	20/12/2020
16/12/2033	28:22:17	वृश्चि	मंगल	मिथु	01:51:21	21/12/2038
चन्द्र 16/10/2024	04:41:09	मीन	बुध व	वृष	14:40:11	राहु 03/09/2023
मंगल 17/05/2025	14:32:35	वृष	गुरु	मिथु	20:44:18	गुरु 26/01/2026
राहु 16/11/2026	11:52:23	मीन व	शुक्र	मिथु	07:53:08	शनि 02/12/2028
गुरु 17/03/2028	04:22:53	वृष	शनि	वृष	22:11:29	बुध 22/06/2031
शनि 16/10/2029	16:38:54	मिथु व	राहु व	वृष	24:03:12	केतु 09/07/2032
बुध 18/03/2031	16:38:54	धनु व	केतु व	वृश्चि	24:03:12	शुक्र 10/07/2035
केतु 17/10/2031	29:48:39	मक	हर्ष	कुंभ	04:53:29	सूर्य 03/06/2036
शुक्र 16/06/2033	14:33:54	मक	नेप व	मक	17:04:33	चन्द्र 02/12/2037
सूर्य 16/12/2033	21:18:57	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	22:49:00	मंगल 21/12/2038

लग्न-चलित

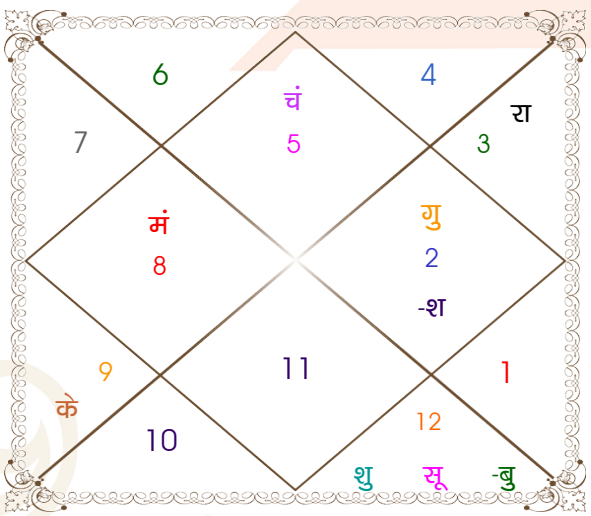

लग्न-चलित

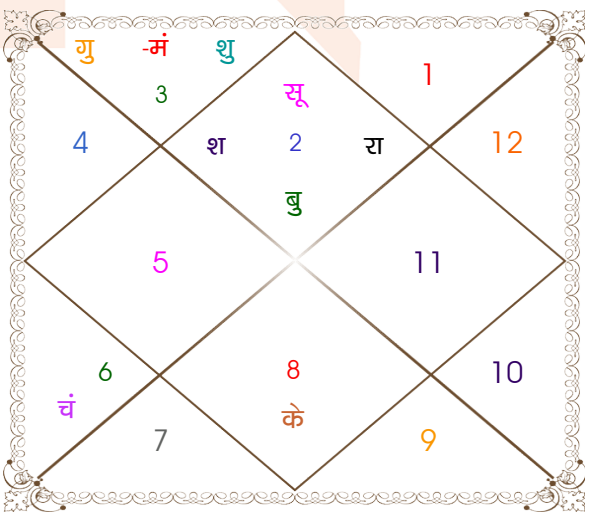

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डत डवीपज का वर्ग मूषक है तथा डेण्टंर्ती का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत डवीपज और डेण्टंर्ती का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डत डवीपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डत डवीपज कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डत डवीपज कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्टंर्ती मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डत डवीपज तथा डेण्टंर्ती में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।